

नमूना प्रश्न पत्र अंक-योजना
विषय-हिंदी (ऐच्छिक)
 अत्यंत गोपनीय
 (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

प्रश्न सं.	उत्तर-संकेत बिंदु	अंक
	खंड क (अपठित बोध)	20
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर –	10
(i)	(B) प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन	1
(ii)	(A) वर्षा चक्र प्रभावित होना	1
(iii)	(D) प्रत्येक नागरिक की	1
(iv)	(C) दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करना	1
(v)	इन चारों प्रदूषणों के बढ़ने से पृथ्वी का तापमान बढ़ता है, मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है, कृषि उत्पादन घटता है, वन्य-जीव संकट में आते हैं और प्राकृतिक संसाधनों की गुणवत्ता गिरती है।	2
(vi)	नागरिक प्लास्टिक का उपयोग कम करके, ऊर्जा बचत करके, जल अपव्यय रोककर, पेड़ लगाकर और कचरे को अलग-अलग निपटाकर पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं।	2
(vii)	पर्यावरण संकट को दूर करने में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है क्योंकि यह लोगों में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करती है। हम पर्यावरण की रक्षा प्लास्टिक का कम उपयोग करके, जल व ऊर्जा की बचत करके, पेड़ लगाकर और कचरे का सही निपटान करके कर सकते हैं।	2
2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर –	10
(i)	(B) भीड़ में मन की उपेक्षा रहती है	1
(ii)	(B) जब कोई बालक पौधा लगाता है	1
(iii)	(C) प्रकृति की रक्षा करने से ही प्रतिफल मिलता है	1

	(iv) अपनी इच्छाओं और भागदौड़भरे जीवन के कारण।	1
	(v) कवि कहना चाहता है कि शहरों में बाहरी चकाचौंध होते हुए भी मनुष्य के भीतर मानसिक अँधेरा और अकेलापन बना रहता है। बाहरी रोशनी मन की रिक्तता को दूर नहीं कर पाती।	2
	(vi) कवि ने वृक्ष कटाई, नदियों के सूखने, धरती की प्यास बढ़ने, धुएँ से भरे आकाश और मिट्टी की खुशबू के मिटने जैसे संकटों को दर्शाया है।	2
	(vii) क्योंकि पौधा लगाना प्रकृति संरक्षण का प्रतीक है। यह भाव दर्शाता है कि छोटी-सी कोशिश से भी बड़े परिवर्तन संभव हैं और भविष्य अभी भी सुरक्षित बनाया जा सकता है।	2
खंड – ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)		20
3.	निर्देशानुसार प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर –	1+2=3
	(क) विश्लेषणात्मक लेखन का महत्त्व यह है कि यह विषय के कारण-परिणाम को स्पष्ट कर तार्किक सोच और समझ विकसित करता है।	1
	(ख) जनसंचार के माध्यमों जैसे प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन और इंटरनेट की अपनी विशेषताएँ और सीमाएँ हैं। प्रिंट माध्यम स्थायित्व देता है, रेडियो सुलभ है, टीवी दृश्य प्रभावी है, जबकि इंटरनेट त्वरित व संवादात्मक है, पर तकनीकी निर्भरता इसकी सीमा है। अथवा पत्रकारीय लेखन वह लेखन है जिसमें समाचार, विचार और विश्लेषण के माध्यम से जनता तक तथ्यपूर्ण जानकारी पहुँचाई जाती है। पत्रकार समाचारदाता, संपादक, फीचर लेखक, स्तंभकार और स्वतंत्र (फ्रीलांसर) के रूप में कार्य करता है।	2
4.	प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित उत्तर –	3+3=6
	(क) रेडियो और टेलीविजन समाचार की भाषा और शैली में अंतर इस प्रकार है। ● रेडियो में भाषा सरल, स्पष्ट और श्रव्य होती है। ● टेलीविजन में भाषा दृश्य के अनुरूप प्रभावी होती है। ● रेडियो में शब्दों से चित्र बनाना पड़ता है।	3

	● टेलीविजन में दृश्य स्वयं जानकारी देते हैं। ● रेडियो शैली संवादात्मक होती है। ● टेलीविजन शैली नाटकीय और प्रस्तुति-प्रधान होती है। (ख) फ्रीचर ऐसा पत्रकारिता लेख होता है जिसमें किसी विषय को रोचक, विवरणात्मक और विश्लेषणात्मक शैली में प्रस्तुत किया जाता है। ● फ्रीचर किसी विषय का रोचक, विवरणात्मक और विश्लेषणात्मक लेख होता है। ● इसमें मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक पक्षों पर बल दिया जाता है। ● भाषा सरल, प्रवाहपूर्ण और आकर्षक होनी चाहिए। ● तथ्य सही और विश्वसनीय हों। ● शीर्षक प्रभावशाली होना चाहिए। ● पाठक की रुचि बनाए रखना आवश्यक है। अथवा विशेष लेखन में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए निम्न अभ्यास और तकनीकों का पालन आवश्यक है— ● विषय से संबंधित नियमित पठन-पाठन करना। ● तथ्यों का गहन अध्ययन और शोध करना। ● भाषा और शैली पर निरंतर अभ्यास करना। ● संबंधित क्षेत्र की शब्दावली सीखना। ● अनुभवी लेखकों के लेखों का विश्लेषण करना। ● निरंतर लेखन और आत्ममूल्यांकन करना।	3
5.	किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख – विषय-वस्तु – 3 अंक भाषा – 1 अंक प्रस्तुति – 1 अंक	5

खंड – ख (अंतरा और अंतराल पुस्तकों पर आधारित प्रश्न)		
7.	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर – (i) (B) नमी (ii) (B) खालीपन में सौंदर्य की अनुभूति (iii) (C) शहर प्रतिदिन भरता और खाली होता है (iv) (A) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (v) (B) क-3, ख-1, ग-2	5×1=5 1 1 1 1 1
8.	काव्य खंड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में अपेक्षित उत्तर – (क) देवसेना अपनी आशा को “बावली” इसलिए कहती है क्योंकि उसकी आशाएँ अव्यावहारिक और असफल सिद्ध हुईं इसके कारण ● जीवन में बार-बार धोखा मिलना ● प्रेम की पूर्ति न होना ● त्याग और बलिदान का जीवन ● अंततः निराशा और अकेलापन (ख) इन पंक्तियों का आशय यह है कि नायिका का मन पूरी तरह श्रीकृष्ण में रम गया है। कृष्ण उसे छोड़कर गोकुल त्याग कर मधुपुर में बस गए हैं, जिससे नायिका को लोक-अपयश सहना पड़ रहा है और उसका मन व्याकुल हो गया है। अथवा भरत राम के प्रति अपना श्रद्धाभाव इस प्रकार प्रकट करते हैं – ● वे राम को अपना स्वामी और आदर्श मानते हैं। ● राज्य-सुख को तुच्छ मानते हैं। ● राम के वनवास से अत्यंत दुखी होते हैं। ● राम के चरणों में पूर्ण समर्पण दिखाते हैं।	2+2=4 2 2

9.	काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या – संदर्भ – 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) कविता – यह दीप अकेला कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अथवा कविता – सरोज स्मृति कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	6
10.	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर – (i) (B) व्यक्ति-सत्य (ii) (B) जब नाम पहले याद न आए (iii) (C) पौरुष-व्यंजक (iv) (D) क-2, ख-1, ग-3 (v) (A) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	5×1=5 1 1 1 1 1
11.	गद्य खंड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में अपेक्षित उत्तर – (क) पिता द्वारा सुनी गई कविताओं ने लेखक के साहित्य-बोध को निम्न प्रकार से दिशा दी ● पिता फ़ारसी और पुरानी हिंदी कविताओं के अच्छे ज्ञाता थे। ● वे कविताएँ रसपूर्वक सुनाते थे, जिससे रुचि जगी। ● रामचरितमानस और नाटकों का पाठ होता था। ● इससे भाषा-सौंदर्य की समझ बनी। ● लेखक का साहित्य-बोध प्रारंभ से विकसित हुआ। अथवा	2+2= 4 2

	संवदिया कहानी में माँ के चरित्र के माध्यम से निम्नलिखित सामाजिक समस्या उभरती है। ● माँ के चरित्र से वृद्धावस्था की उपेक्षा उजागर होती है। ● पारिवारिक बिखराव की समस्या सामने आती है। ● बेटों द्वारा जिम्मेदारी न निभाने का चित्रण है। ● अकेलेपन और असुरक्षा की स्थिति दिखती है। ● समाज की संवेदनहीनता स्पष्ट होती है। (ख) शीर्षक 'दूसरा देवदास' केवल प्रेम-कथा नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक यात्रा भी है। प्रमुख घटनाक्रम निम्न प्रकार से है। ● कहानी प्रेम से शुरू होकर मानसिक द्वंद्व तक जाती है। ● नायक का आकर्षण जिज्ञासा में बदलता है। ● एक छोटी घटना गहरी छाप छोड़ती है। ● कल्पना और यथार्थ का संघर्ष दिखता है। ● आत्मसंघर्ष और भावनात्मक उलझन उभरती है। ● इसलिए शीर्षक मनोवैज्ञानिक यात्रा को दर्शाता है।	2
12.	गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या – संदर्भ – 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) पाठ – गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात लेखक – भीष्म साहनी अथवा पाठ – जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा	6

13.	‘अंतराल’ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100-150 शब्दों में अपेक्षित उत्तर –	5+5=5
	(क) बिसनाथ के बचपन में प्रकृति उनके भावनात्मक विकास का अभिन्न हिस्सा बनी। ‘बिस्कोहर की माटी’ में प्रकृति केवल परिवेश नहीं, बल्कि संवेदनाओं की शिक्षक है। पेड़-पौधे, फूल, तालाब, वर्षा, चाँदनी, पशु-पक्षी और ऋतुएँ बिसनाथ के मन में कोमलता, जिज्ञासा और संवेदनशीलता भरती हैं। माँ का स्नेह, दूध की गर्माहट और प्रकृति की गोद—इन सबने मिलकर उसके भीतर सुरक्षा और अपनत्व की भावना विकसित की। प्रकृति से जुड़ाव के कारण वह जीवन, सौंदर्य, पीड़ा और मृत्यु तक को गहराई से अनुभव करता है। यही अनुभव आगे चलकर उसके भावनात्मक परिपक्वता और मानवीय दृष्टि का आधार बनते हैं। अथवा प्रेमचंद ने इस कहानी में समाज की संवेदनहीनता, अन्याय और वर्ग-भेद की गहरी कमजोरी को उजागर किया है। कहानी में शक्तिशाली और धनवान वर्ग अपने स्वार्थ के लिए गरीब, असहाय और अंधे सूरदास जैसे व्यक्ति का शोषण करता है। समाज में नैतिकता का अभाव है, जहाँ अन्याय होते हुए भी अधिकांश लोग मौन दर्शक बने रहते हैं। सत्ता और पूँजी के गठजोड़ के कारण गरीबों की झोपड़ियाँ जलाना जैसे अमानवीय कार्य किए जाते हैं। प्रेमचंद यह दिखाते हैं कि समाज कमजोरों के प्रति करुणा और न्यायभाव खो चुका है। यह कहानी सामाजिक असमानता, अमानवीयता और नैतिक पतन पर तीखा प्रहार करती है।	5
	(ख) लेखक को मालवा में लौटकर अपने बचपन और अतीत से जुड़े अनेक दृश्य फिर से याद आ जाते हैं। उसे नवरात्रि की पहली सुबह, घर-आँगन में गोबर से लिपाई, रंगोली, स्त्रियों की चहल-पहल और त्योहार की तैयारी स्मरण होती है। खेतों में लहलहाती फसलें, पीले फूलों से भरे सरसों के खेत, तालाब, बावड़ियाँ, नदियाँ और नालों में बहता पानी उसकी स्मृति में उभर आता है। पुराने समय का वह मालवा, जहाँ “पग-पग नीर” था और धरती उपजाऊ थी, उसे बार-बार याद आता है। साथ ही लेखक वर्तमान मालवा की बदली हुई स्थिति को देखकर अतीत की समृद्ध और प्राकृतिक जीवनशैली से तुलना करता है, जिससे उसके मन में पीड़ा और चिंता उत्पन्न होती है।	5